पाठ योजना
कक्षा- चौथी
पाठ -फूलों का नगर
कौशल- वाचन ,लेखन
व्याकरण -विशेषण

संक्षिप्त परिचय- इस पाठ में गुरु के द्वारा दी गई शिक्षा के बारे में बताया गया है। गुरु द्वारा जो शिक्षा दी गई है उसका नियम पूर्ण पालन करने से शिष्यों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए दूर करने और प्रकृति की रक्षा की सीख दी है ।

KPI 1 - र के रूपों को सही जगह पर लगाना व वाचन करना सीखेंगे।
र के विभिन्न रूपों से परिचय उसका उच्चारण व प्रयोग करना सीखेंगे।

विशिष्ट उद्देश्य :
1.र के विभिन्न रूपों से परिचय होगा व उसका प्रयोग करना सीखेंगे।
2.पाठ में आए नए शब्दों से परिचय होगा ।
3. शब्दों के अर्थ को जानेंगे।
4.विशेषण की अवधारणा स्पष्ट होगी।

व्यावहारिक उद्देश्य:
1.प्रकृति की रक्षा करना सीखेंगे।
2.गुरु की शिक्षा को व्यवहारिकता में लाना सीखेंगे।

प्रक्रिया -फूलों से नित हंसना सीखो कविता के माध्यम से विषय प्रवेश करवाना।

गतिविधि- मधुमक्खियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
बच्चों द्वारा पाठ का वाचन
पाठ समझाना -उदाहरण व व्याख्यान विधि लेखन कार्य- नए शब्द, शब्दार्थ ,वचन ,विलोम, लिंग, वाक्य प्रयोग ,प्रश्नोत्तर , श्रुतलेख, सुधार कार्य, कार्य पुस्तकीय कार्य
र -के रूप -पाठ में से रेफ व पदेन वाले शब्द छँटवाना ।
विशेषण- विद्यार्थी से स्वयं की एक- एक विशेषता पूछेंगे।
रचनात्मक गतिविधि- तुकबंदी द्वारा कविता पूर्ण करना
गृह कार्य -फूलों से बनने वाली वस्तुओं के नाम लिखकर लाना ।
पुनरावृति पत्रक - विशेषण का कार्य पत्रक मूल्यांकन - 1.वाचन परीक्षा
2. श्रुतलेख (र के रूपों वाले शब्द)
3. कक्षा परीक्षा (पाठ का संपूर्ण कार्य)

अधिगम उपलब्धि:
1. र के विभिन्न रूपों का प्रयोग करने
लगे ।
2. व्याकरणिक ज्ञान बढ़ा(विशेषण शब्द की पहचान व प्रयोग)
3. गुरु की शिक्षा महत्व को समझें।